

सं. ग्री.वि./एफ. डी./42-84/15725 -- त्रूंकि राज्यरात, दूरियाणा की राय है कि मै० रोतक रीफैक्ट्रीज प्लाट ने० 394, सैक्टर-24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री जलील खां तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिणंय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गईं शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7(क) के अधीन भौद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंग्रह्म या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक स्तथा अवन्यकों के मध्य स्थानियम के लिए निर्दिष्ट करते हैं : अवन्यकों के मध्य स्थानियम के लिए निर्दिष्ट करते हैं :

क्या श्री जलील खां की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो.वि./पानी स्त/35-84/15732. --वृंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मै० जी एस टी रवड़ मिल निकट चढ़ाव कैथल रोड़, करनाल के श्रामिक श्री राम वृक्ष गुप्ता तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद की न्यायनिजय हेतू निविष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7 (क) के श्रिधीन श्रीद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्याय-निर्णय के लिये निर्विद्युट करते हैं:—

क्या श्री राम बृक्ष गुप्ता की सेवाभ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो त्रि| नातीपत/ 35-84/ 15737 - - चूं कि राज्यसाल, हरियाणा की राय है कि मैं० जी. एस. टी. रवड़ मिल निकट चढ़ाव कैथल रोड़, करनाल के श्रमिक श्री बाबू लाल तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, भौद्योगिक विवाद अधि नियम, 1947 की धारा, 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उनत अधिनियम की धारा 7(क) के अधीन भौद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं :--

, क्या श्री बाबू लाल की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो ग्रव किस राहत का हकदार है ?

स॰ ग्रो. वि. /पानीपत / 35-84 / 15743 - वृंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं० जी. एस. टी. रवड़ मिल निकट बढ़ाव कैयल रोड़ करनाल, के श्रमिक श्री गणेश ठाकुर तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौधोगिक विवाद है;

क्षीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल के इस दिवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इस लिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 (क) के अधीन औद्योगिक अधिनरण हरियाणा, करीराबाद को नी वे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुनंगत या उससे सम्बन्धित मामले, अभिक तथा प्रबन्धकों के पृथ्य न्यायनिर्णय के लिए निरिष्ट करते हैं:—

क्या श्री गणेश ठाकुर की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राइत का